414 403 1000Rs.

46(1) B.O.C

23 'A' with the Permission by S.D.O Simdega vide case No. 258/2010-11 order dated 25-3.11

13.4.11

ह० - सिरील डुंगडुंग मो० 1,25000/ रु० पाकर ... ता० 13-04-2011

1· लेख्यकारी :- श्री सिरील डुंगडुंग पिता स्वर्गीय जोसेफ डुंगडुंग, जाति-खड़िया, पेशा-कृषि, निवासी ग्राम-गोतरा गड़राबहार, थाना-सिमडेगा, जिला-सिमडेगा (झारखण्ड)

.. .. विक्रेता ।

शपथ-पत्र संख्या :- 247/2011

गौतम राकेश मिंज पिता- स्व० ... मिंज ग्राम- फादुबल टोली थाना- सिमडेगा जिला- सिमडेगा ता० 13/4/11

2. लेखधारी :- मक्सीमिलियन कुल्लू पिता स्वर्गीय फ्रांसिस कुल्लू, जाति-खाड़िया, पेशा-नौकरी, निवासी ग्राम- गोतरा, थाना-सिमडेगा, जिला-सिमडेगा (झारखण्ड) .. ..क्रेता भारतीय नागरिक।
शपथ-पत्र संख्या :- 248/2011

3. लेखपृकार :- बिक्रय-पत्र (केवाला)

4. मूल्य :- मोबलिग- 105000/=रू0 एक लाख पांच हजार रूपये जमीन का कीमत एवं उसपर अवस्थित पुराना चहारदिवारी का कीमत - 20000/= रू0 कूल कीमत- 125000/= रू0 एक लाख पच्चीस हजार रूपये जिसका आधा बारस० हजार पांच सौ रूपये अंके- 62500/=रू0 होता है।

5. सम्पति :- मौजा-गोतरा सामटोली, थाना/अंचल-सिमडेगा, जिला अवर निबन्धन कार्यालय वो जिला सिमडेगा, थाना नं0-80 (अस्सी) खाता नं0-34 (चौंतीस) पलाट नं0-3301/5256 (तीन हजार तीन सौ एक बट्टा पांच हजार दो सौ छप्पन) रकबा- 0.18 एकड़ में से 0.03 एकड़ (तीन डिसीमल) एवं जिसपर ईंट एवं गिलावा से निर्मित 103' लम्बाई एवं 3' ऊंचाई का पुरान

1000Rs.

पुराना चहारदिवारी है ।दर्जा जमीन टांड़ आवासीय जिसपर चहारदिवारी के अलावे कोई निर्माण कार्य या मकान या पेड़ पौधा नहीं है ।एवं यह व्यवसायिक दर्जे में नहीं आता है ।

मालगुजारी :- 0·03 रूपये अलावे सेस सलामे ।

चौहद्दी :-उत्तर :- इसी प्लाट का अंश 4' का गली कच्ची
दक्षिण :- स्कोलुस्टिका डुंगडुंग का मकान
पूरब :- इसी प्लाट का शेष अंश टांड़ शंकर बड़ाईक ।
पश्चिम:- पी०सी०सी०पथ ।

(क) चूंकि मुझे बिमारी का ईलाज करवाने के लिए रूपये रूपये की आवश्यकता हुई । और रूपये पाने का कोई अन्य उपाय नहीं रहने के कारण मैं ने मेरी उपर्युक्त वर्णित संपति को लेख्यधारी से खरीदने का आग्रह किया जिसे वे खरीदना स्वीकार किये । अत: मैं ने उपर्युक्त वर्णित सम्पति को लेख्यधारी से बेचने की अनुमति पाने हेतू आवेदन् श्रीमान् अनुमण्डल पदाधिकारी, सिमडेगा की अदालत में दिया , जिसे राजस्व वाद संख्या-258/2010-11 दर्ज किया गया। एवं छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम की धारा 46 के प्रावधान के मुताबिक दिनांक 25·03·2011 को मुझे अनुमति प्रदान की गई है, जिसकी एक प्रति मुझे मेमो नं०-. 327 (iii) दिनांक 25·03·2011 के द्वारा प्राप्त हुई है ।

तारीख 13-04-2011

1000Rs.

(ख) अत: मैं अपनी स्वेच्छा से शरीर और मन की स्वस्थता में उपर्युक्त वर्णित सम्पीत का पूरा कीमत लेख्यधारी से पाकर बेच दिया ।तथा इस सम्पीत का पूरा अधिकार एवं स्वामित्व लेख्यधारी को हस्तांतरित कर दिया ।अब इस सम्पीत पर मेरा या मेरे किसी भी उतराधिकारी का न कोई अधिकार रहा और न आईन्दे होगा ।

ता० 13-04-2011

(ग) मैं यह घोषित करता हूं कि यह सम्पीत मेरी स्वयं अर्जित सम्पीत है, जिसे मैं ने निबंधित विक्रय-पत्र दस्तावेज संख्या 280/2000 ई० को दिनांक 12·06·2000 के द्वारा हासिल किया है ।जिसका दाखिल-खारिज वाद संख्या 46 आर·27/2000-01 के आदेशानुसार मेरे नाम जमाबंदी कायम हुआ है। तथा मालगुजारी की रशीद मेरे नाम निर्गत होता आ रहा है। मैं यह भी घोषित करता हूं कि उपर्युक्त सम्पीत पर मेरा निर्विवाद दखल-कब्जा चला आ रहा है।तथा इस पर किसी प्रकार का कोई ऋण या भार नहीं है ।

(घ) लेख्यधारी को उपर्युक्त वर्णित सम्पीत पर दखल-कब्जा दे दिया है ।अब लेख्यधारी इसे जैसा चाहे अपने उपयोग में लावे। और दाखिल-खारिज अपने नाम करवा कर मालगुजारी सरकार को दिया करे ।

1000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१०००रु.

Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हजार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

इसलिए यह बिक्रय-पत्र दस्तावेज लिखा दिया कि समय पर काम आवे और प्रमाण रहे ।

सिरील डुंग डुंग
ता० 13-04-2011

लेख्यकारी :- मैं यह घोषित करता हूं कि यह सम्पीत भू-हदबन्दी अधिनियम की सीमा निर्धारण से अधिक नहीं है। तथा इससे संबंधित कोई मामला मेरे बिरुद्ध न्यायालय में लम्बित नहीं है ।

सिरील डुंग डुंग
ता० 13-04-2011

प्रमाणित किया जाता है कि लेख्यकारी श्री सिरील डुंग डुंग ने अपने बाएँ हाथ के पाँचों अंगुलियों का निशान मेरे समक्ष दिया।

अजय कुमार
अधिवक्ता
13.04.11

लेखधारी :- मैं यह घोषित करता हूं कि इस दस्तावेज द्वारा प्राप्त भूमि के बाद भी मेरे हिस्से भू-हदबन्दी अधिनियम की सीमा निर्धारण से अधिक भूमि नहीं है।

मक्सीमिलियन कुल्लू
13/4/11

प्रमाणित किया जाता है कि लेखधारी श्री मक्सीमिलियन कुल्लू ने अपने बायें हाथ के पाँचों अंगुलियों का निशान मेरे समक्ष दिया।

अजय कुमार
अधिवक्ता
13.04.11

इस दस्तावेज का प्रारूप मेरे द्वारा तैयार किया गया है । तथा इसके पक्षकारों को पढ़कर सुना वो समझा दिया गया है, जिसे स्वयं भी पढ़कर स्वीकार किये कि सही है ।

प्रारूपकर्त्ता, अजय कुमार
अधिवक्ता. 13.04.11
अधिवक्ता, सिमडेगा ।

इस दस्तावेज में कुल 7 पन्नों पर मेरे द्वारा कुल 682 शब्द टंकित किये गये हैं जो खण्डन रहित है । तथा बिक्रीत जमीन का नक्शा दस्तावेज के साथ संलग्न है जो इसका अंश है।

टंकक :- देवनिस बाड़ा
13-04-2011ई०
ई देवनिस बाड़ा ई
सिमडेगा कोर्ट, सिमडेगा

13-04-2011